(पंचम सेमेस्टर)

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

अधिन्यास (Assignment) 2024-2025

स्नातक कला कार्यक्रम (बी0ए0)

Bachelor of Art Programme (B.A.)

विषय – संस्कृत | विषय कोड : डी.सी.ई.एस.टी

Subject : Sanskrit | **Subject Code : DCEST**

कोर्स शीर्षक : संस्कृत साहित्य की रूपरेखा | **कोर्स कोड:** डी.सी.ई.एस.टी –101

लघु सिद्धान्त कौमुदी (संज्ञा, संधि, स्त्री प्रत्यय) | **Course Code : DCEST-101**

Course Title :

अधिकतम अंक : 30
MaximumMarks:30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।

Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A

खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 निम्नलिखित में से किसी दो सूत्र की व्याख्या कीजिए – 6

i) हलन्त्यम् ii) आद्गुणः, iii) लोपःशाकल्यस्य

iv) एड्. पदान्तादति

प्रश्न–2 महाभारत तथा रामायण में वर्णित सांस्कृतिक महत्व का प्रतिपादन कीजिए। 6

प्रश्न–3 'उपमा कालिदास' की समीक्षा कीजिए। 6

Section – B

खण्ड - ब

अधिकतम अंक :
12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 निम्नलिखित में से किसी दो का सूत्रोल्लेख करते हुए विग्रह कीजिए – 2
कृष्णैकत्वम्, उपैति, होतृकारः, उपोषति

प्रश्न–5 संहिता किसे कहते है?

प्रश्न–6 'सुप्तिडन्तं पदम्' सूत्र को स्पष्ट कीजिए। 2

प्रश्न–7 निम्नलिखित में से किसी दो की सिद्धि –प्रक्रिया लिखिये – 2

i) अश्वपालिका

ii) मातुलानी

iii) सर्विका

iv) चन्द्रमुखी

प्रश्न–8 श्री हर्ष के काल एवं जीवन वृत्त पर प्रकाश डालिए 2

प्रश्न–9 'माघेसन्ति त्रयोगुणाः' इस सूक्ति की समीक्षा कीजिए। 2

(पंचम सेमेस्टर)

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

अधिन्यास | 2024-2025

(Assignment)

स्नातक कला कार्यक्रम (बी0ए0)

Bachelor of Art Programme (B.A.)

विषय – संस्कृत | **विषय कोड : डी.सी.ई.एस.टी**

Subject : Sanskrit | **Subject Code : DCEST**

कोर्स शीर्षक : भाषा विज्ञान | **कोर्स कोड : डी.सी.ई.एस.टी–102**

Course Title : | **Course Code : DCEST-102**

अधिकतम अंक : 30
MaximumMarks:30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।

Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A

खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 भाषा की उत्पत्ति के अनुकरण सिद्धान्त की समीक्षा कीजिए। 6

प्रश्न–2 ध्वनि परिवर्तन के कारणों का विवेचन कीजिए। 6

प्रश्न–3 पालि भाषा की सामान्य विशेषताओं का परिचय दीजिए। 6

Section – B

खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 भारोपीय परिवार के महत्त्व पर प्रकाश डालिए। 2

प्रश्न–5 स्वर के वर्गीकरण के कौन–कौन से आधार हैं? स्पष्ट कीजिए 2

प्रश्न–6 द्रविड़ भाषा परिवार की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 2

प्रश्न–7 भारतीय आर्यभाषाओं में संस्कृत के महत्व का प्रतिपादन कीजिए। 2

प्रश्न–8 भाषाओं के आकृतिमूलक वर्गीकरण के आधार पर प्रकाश डालिए। 2

प्रश्न–9 निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए – 2

i) ग्रिम नियम

अथवा

ii) वैदिक संस्कृत

अथवा

iii) भारोपीय परिवार आर्य भाषा का नाम भारत ईरानी शाख्य क्यों पड़ा?

(षष्ठ सेमेस्टर)
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

अधिन्यास (Assignment) **2024-2025**

स्नातक कला कार्यक्रम (बी0ए0)
Bachelor of Art Programme (B.A.)

विषय – संस्कृत | विषय कोड : डी.सी.ई.एस.टी
Subject : Sanskrit | **Subject Code : DCEST**
कोर्स शीर्षक : (i) दर्शन ईशावास्योपनिषद | कोर्स कोड : डी.सी.ई.एस.टी–103
(ii) श्रीमद्भगवद्गीता | **Course Code: DCEST-103**
Course Title :

अधिकतम अंक : 30
MaximumMarks:30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।
Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 निम्नांकित किन्हीं दो मंत्रों की व्याकरणात्मक टिप्पणी सहित हिन्दी व्याख्या कीजिए– 6

i. क) ईशावास्यमिंद सर्वं यत्किञ्च जगत्यां जगत्।
तेन त्यक्तेन भुञ्जीथा मा गृधः कस्यस्विद्धनम्।।

ख) अन्धं तमः प्रविशन्ति येऽविद्यामुपासते।
ततो भूय इव ते तमो य 3 विद्यायाँ रताः ।।

अथवा

ii. क) विद्यां चाविद्यां च यस्तद्वेदोभयं सह।
अविद्याया मृत्युं तीर्त्वा विद्ययाऽमृतमश्नुते।।

ख) हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्।
तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये ।।

प्रश्न–2 निम्नांकित किन्हीं दो श्लोकों की सन्दर्भ व्याख्या कीजिए – 6

i. क) योगस्थः कुरु कर्माणि संड.गत्यक्त्वा धनंजय।
सिद्ध्यसिद्धयोः समो भूत्वा समत्वं योग उच्यते।।

ख) जातस्य हि ध्रुवो मृत्युर्ध्रुवं जन्म मृतस्य च।
तस्मादपरिहार्येदर्थे न त्वं शोचितुमर्हसि।।

अथवा

ii. क) सुखदुःखे समे कृत्वा लाभालाभौजयाजयो।
ततो युद्धाय युज्यस्व नैवं पापमवाप्स्यसि।।

ख) कामात्मानः स्वर्गपरा जन्मकर्मफल प्रदाम्।
क्रियाविशेषबहुलां भौगेश्वर्यगतिं प्रति ।।

प्रश्न–3 निम्नांकित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। 6

i. गीता के आधार पर 'आत्मा' का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

अथवा

ii. ईशावास्योपनिषद् के आधार पर 'आत्मतत्त्व' पर प्रकाश डालिए।

Section – B

खण्ड - ब

अधिकतम अंक :

12

MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 सभी उपनिषदों का नाम लिखें तथा उनका संक्षिप्त परिचय दें। 2

प्रश्न–5 गीता के अधार पर 'नीरक्षीर विवेक' को स्पष्ट कीजिए। 2

प्रश्न–6 श्रीमद्भगवद्गीता के महत्त्व पर प्रकाश डालिए। 2

प्रश्न–7 गीता के अधार पर 'स्थित–प्रज्ञ' का लक्षण स्पष्ट कीजिए। 2

प्रश्न–8 गीता के आधार पर आत्मा की अमरता की सिद्ध कीजिए। 2

प्रश्न–9 ईशावास्योपनिषद् का परिचय दीजिए। 2

(षष्ठ सेमेस्टर)

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

अधिन्यास (Assignment) | 2024-2025

स्नातक कला कार्यक्रम (बी0ए0)

Bachelor of Art Programme (B.A.)

विषय – संस्कृत | विषय कोड : डी.सी.ई.एस.टी

Subject : Sanskrit | **Subject Code : DCEST**

कोर्स शीर्षक : काव्य एवं काव्यशास्त्र | कोर्स कोड : डी.सी.ई.एस.टी–104

i) साहित्य दर्पण ii) किरातार्जुनीयम्

Course Title : | **Course Code : DCEST -104**

अधिकतम अंक : 30
MaximumMarks:30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।

Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18

MaximumMarks:18

प्रश्न–1 आचार्य विश्वनाथ द्वारा उपस्थापित मम्मर के काव्य लक्षण में 'सगुणौ' पर की समीक्षा कीजिए। 6

प्रश्न–2 आचार्य विश्वनाथ के काव्य–प्रयोजन की समीक्षा कीजिए। 6

प्रश्न–3 साहित्य दर्पण के आधार पर रस का स्वरूप स्पष्ट कीजिए। 6

Section – B
खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12

MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 निम्नलिखित श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए। 2

कृतप्रणामस्य महीं महीभुजे
जितां सपत्नेन निवेदयिष्यतः।
न विव्यथे तस्य मनो न हि प्रियं
प्रवक्तुमिच्छन्ति मृषा हितैषिणः ।।

प्रश्न–5 किरातार्जुनीयम् के प्रथम सर्ग के आधार पर युधिष्ठिर का चरित्र–चित्रण कीजिए। 2

प्रश्न–6 'उत्कर्षहेतवः प्रोक्ताः गुणालङ्कारारीतयः' की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। 2

प्रश्न–7 'हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः'– इस सूक्ति की समीक्षा कीजिए। 2

प्रश्न–8 भारवि की काव्य शैली पर एक लेख लिखिये। 2

प्रश्न–9 किरातार्जुनीयम् के प्रथम सर्ग के आधार पर गुप्तचर के गुणों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए। 2